मन की मुरादें पूरी कर माँ, दर्शन करने को मैं तो आउंगी

मन की मुरादें, पूरी कर माँ,
दर्शन करने को मैं तो आउंगी |
तेरा दीदार होगा, मेरा उधार होगा,
हलवे का भोग मैं लगाउंगी |

तू है दाती दान देदे, मुझ को अपना जान कर |
भर दे मेरी झोली खाली दाग लगे ना तेरी शान पर |
सवा रुपया और नारीयल, मैं तेरी भेंट चढ़ाउंगी ||

छोटी छोटी कन्याओं को भोग लगाऊं भक्ति बाव से |
तेरा जगराता कराऊं मैं तो बड़े चाव से |
लाल द्वजा लेकर के माता तेरे भवन पे लहराउंगी ||

महिमा तेरी बड़ी निराली, पार न कोई पाया है |
मैंने सुना है, ब्रह्मा, विष्णु शिव ने तेरा गुण गाया है |
मेरी औकात क्या है, तेरी माँ बात क्या है, कैसे तुझ को भुलाउंगी |

लाल चोला लाल चुनरी, लाल तेरे लाल हैं |
तेरी जिस पर हो दया माँ, वो तो मालामाल है |
श्यामसुंदर और लक्खा बालक हैं तेरे, उनको भी संग मैं लाउंगी |

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/130/title/man-ki-murade-puri-kar-maa-darshan-karne-ko-mai-to-aungi-durga-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |